IASBABA

One Stop Destination for UPSC/IAS Preparation

60 Days Week-3&4 Compilation

DELHI

5B, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi –110005. Landmark: Just 50m from Karol Bagh Metro Station, GATE No. 8 (Next to Croma Store)

Ph:0114167500

BANGALORE

#1737/37, MRCR Layout, Vijaynagar Service Road, Vijaynagar, Bangalore 560040. PH: 09035077800 / 7353277800

support@iasbaba.com

www.iasbaba.com

Q.1) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. चलती मुद्रास्फीति (Walking inflation) वह है जो एक वर्ष में 3-10% के बीच रहती है तथा अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक होती है क्योंकि इसमें आर्थिक विकास को बहुत तीव्र होता है
2. सरपट मुद्रास्फ़ीति (Galloping inflation) के दौरान मुद्रा मूल्य इतनी तेज़ी से घटता है कि व्यवसाय और कर्मचारी आय को लागत और कीमतों के साथ नहीं रख सकते हैं
3. मुद्रास्फीतिजनित मंदी (Stagflation) तब होता है जब आर्थिक विकास स्थिर होता है लेकिन अभी भी मूल्य मुद्रास्फीति होती है

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.1) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
चलती मुद्रास्फीति एक प्रकार की मजबूत या हानिकारक होती है, यह मुद्रास्फीति प्रति वर्ष 3-10% के बीच होती है। यह अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक होती है क्योंकि यह आर्थिक विकास को अत्यधिक तेजी से बढ़ाती है। लोग, केवल आने वाले समय में बहुत अधिक कीमतों से बचने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा खरीदारी करने लगते हैं। यह कारक आगे भी मांग को बढ़ाता है जिसे आपूर्तिकर्ता संभाल नहीं पाता है। परिणामस्वरूप, सामान्य वस्तुओं और सेवाओं की कीमत अधिकांश लोगों की पहुंच से बाहर हो जाती है।	जब मुद्रास्फीति 10% या उससे अधिक हो जाती है, तो यह अर्थव्यवस्था पर पूरी तरह विनाशकारी होती है। मुद्रा मूल्य इतनी तेज़ी से घटता है कि व्यवसाय और कर्मचारी आय को लागत और कीमतों के साथ नहीं रख सकते हैं। विदेशी निवेशक ऐसे देश से बचते हैं, जो इसे आवश्यक पूंजी से वंचित करता हैं। अर्थव्यवस्था अस्थिर हो जाती है, तथा सरकार विश्वसनीयता खो देती हैं। सरपट मुद्रास्फीति को हर कीमत पर रोका जाना चाहिए	मुद्रास्फीतिजनित मंदी (Stagflation) का अर्थ, कीमतों में वृद्धि और आर्थिक विकास में ठहराव का एक साथ होना है। स्टैगफ्लेशन को पहली बार 20 वीं शताब्दी के बाद व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त हुई थी, विशेष रूप से 1970 के दशक के दौरान अमेरिकी अर्थव्यवस्था में, जो लगातार तीव्र मुद्रास्फीति और उच्च बेरोजगारी का अनुभव कर रही थी। तात्कालिक पूर्व-प्रभावी आर्थिक सिद्धांत आसानी से यह नहीं बता सकते थे कि स्टैगफ्लेशन

		कैसे हो सकता है। 1970 के बाद से, धीमी या नकारात्मक आर्थिक वृद्धि की अवधि के दौरान बढ़ते मूल्य स्तर एक असाधारण स्थिति के बजाय आदर्श बन गए हैं।

Q.2) निम्न में से कौन सी घटना फिलिप्स वक्र के आर्थिक सिद्धांत का विरोध करती है?

a) अपस्फीति (Deflation)

b) पुन: मुद्रास्फीति

c) मुद्रास्फीतिजनित मंदी (Stagflation)

d) मूल स्फीति (Core inflation)

Q.2) Solution (c)

Elimination

फिलिप्स वक्र एक आर्थिक अवधारणा है जिसे ए. डब्ल्यू फिलिप्स द्वारा विकसित किया गया है, जिसमें कहा गया है कि मुद्रास्फीति और बेरोजगारी में एक स्थिर और व्युत्क्रमानुपाती संबंध होता है। सिद्धांत का दावा है कि आर्थिक विकास के साथ मुद्रास्फीति आती है, जो बदले में अधिक नौकरियों और कम बेरोजगारी का कारण बनती है।

यदि कोई फिलिप्स वक्र की अवधारणा के बारे में स्पष्ट है, तो उत्तर आसानी से निकाला जा सकता है

मुद्रास्फीतिजनित मंदी (Stagflation) धीमी आर्थिक वृद्धि और अपेक्षाकृत उच्च बेरोजगारी या बढ़ती कीमतों या मुद्रास्फीति के साथ आर्थिक ठहराव की स्थिति है। इसे मुद्रास्फीति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिरावट के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है।

स्टैगफ्लेशन को लंबे समय तक असंभव माना जाता था क्योंकि अकादमिक और नीतिगत समुदायों पर प्रभावी होने वाले आर्थिक सिद्धांतों ने संरचनागत तौर पर इसे अपने मॉडल से बाहर कर दिया था। विशेष रूप से फिलिप्स वक्र के आर्थिक सिद्धांत, जो कीनेशियन अर्थशास्त्र के संदर्भ में विकसित हुआ था, ने बेरोजगारी और मुद्रास्फीति के बीच व्यापार-सिद्धांत के रूप में व्यापक आर्थिक नीति को चित्रित किया था।

1970 के बाद से, धीमी या नकारात्मक आर्थिक वृद्धि की अवधि के दौरान बढ़ते मूल्य स्तर एक असाधारण स्थिति के बजाय आदर्श बन गए हैं।

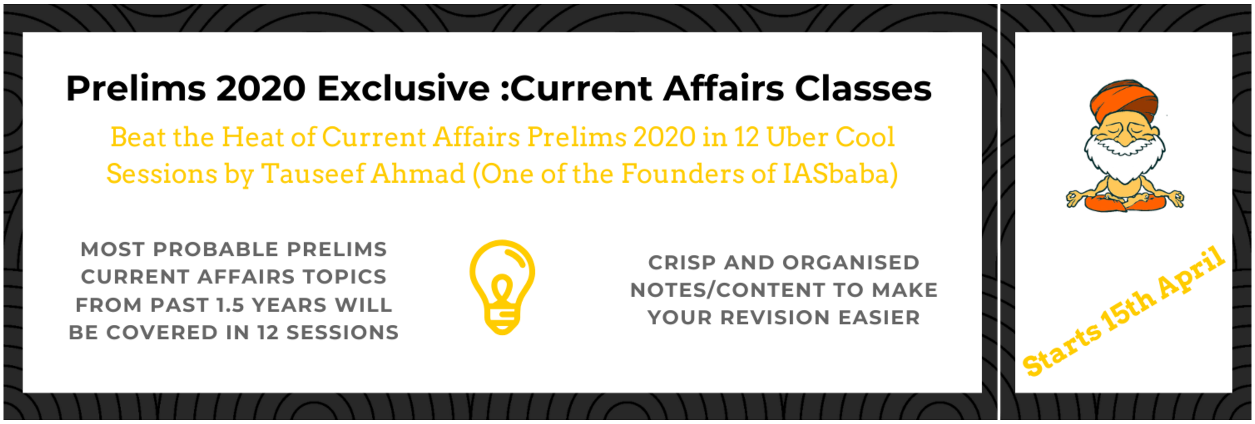

Q.3) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. लागत-जनित मुद्रास्फीति मजदूरी और कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण होती है जबकि प्रभावित उत्पाद की मांग अभी भी स्थिर रहती है।
2. मुद्रास्फीति उपभोक्ता की क्रय शक्ति को नष्ट कर सकती है
3. मांग-जनित मुद्रास्फीति की विशेषता "बहुत अधिक रुपयों के साथ कुछ वस्तुओं का पीछा करने" से है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.3) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
लागत-जनित मुद्रास्फीति तब होती है जब मजदूरी और कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण समग्र कीमतें (मुद्रास्फीति) बढ़ जाती हैं। उत्पादन की उच्च लागत अर्थव्यवस्था में कुल आपूर्ति (कुल उत्पादन की मात्रा) को कम कर सकती है। चूंकि वस्तुओं की मांग में	मुद्रास्फीति, चयनित वस्तुओं और सेवाओं की एक टोकरी के लिए एक अर्थव्यवस्था में मूल्य वृद्धि की दर की एक माप है। मुद्रास्फीति एक उपभोक्ता की क्रय शक्ति को नष्ट कर सकती है यदि मजदूरी पर्याप्त नहीं बढ़ी है या बढ़ती कीमतों के साथ समायोजित नहीं रखी गई है।	मांग-जनित मुद्रास्फीति उन कीमतों पर ऊपर की ओर दबाव है जो आपूर्ति में कमी का अनुसरण करती है। अर्थशास्त्रियों ने इसे "बहुत अधिक रुपयों के साथ कुछ वस्तुओं का पीछा करने" के रूप में वर्णित किया है।

बदलाव नहीं हुआ है, इसलिए उत्पादन से मूल्य वृद्धि उपभोक्ताओं द्वारा लागत-जनित मुद्रास्फीति पैदा करने पर आधारित होती है। लागत-जनित मुद्रास्फीति को होने के लिए, उस समय जब उत्पादन लागत में परिवर्तन हो रहा हो, उस समय प्रभावित उत्पाद की माँग स्थिर बनी रहनी चाहिए। उत्पादन की बढ़ती लागत की भरपाई करने के लिए, उत्पादक अपेक्षित मांग के साथ तालमेल रखते हुए उपभोक्ता को लाभ का स्तर बनाए रखने के लिए कीमत बढ़ाते हैं।	मान लीजिए कि अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति एक विशेष वर्ष में 5% है जब मजदूरी स्थिर रहेगी, तो यह उपभोक्ता के लिए बोझ होगा क्योंकि उसके पास की मुद्रा का मूल्य कम हो जाएगा	मांग-जनित मुद्रास्फीति कीनेशियन अर्थशास्त्र का एक सिद्धांत है जो कुल आपूर्ति और मांग में असंतुलन के प्रभावों का वर्णन करता है। जब एक अर्थव्यवस्था में निश्चित आपूर्ति सकल मांग को अत्यधिक बढ़ा देती है, तो कीमतें बढ़ जाती हैं। यह मुद्रास्फीति का सबसे सामान्य कारण होता है।

Q.4) निम्नलिखित में से कौन लागत-जनित मुद्रास्फीति का उदाहरण नहीं है?

a) तेल की कीमत में वृद्धि के कारण कीमतों के सामान्य स्तर में वृद्धि होना
b) 2012 में पंजाब और सिंध क्षेत्र में बाढ़ आई, जिसके कारण आपूर्ति में व्यापक व्यवधान होना
c) 2011 में जापान के भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण आपूर्ति में व्यवधान होना
d) 2008 का वित्तीय संकट, जिसके परिणामस्वरूप संपत्ति मुद्रास्फीति (asset inflation) जो सोने और तेल में हुई

Q.4) Solution (d)

लागत-जनित मुद्रास्फीति, मुद्रास्फीति का एक रूप है जो उत्पादन की लागत में वृद्धि या उत्पादन की मात्रा में कमी से उत्पन्न होती है। लागत-जनित मुद्रास्फीति में, समग्र आपूर्ति वक्र बाईं ओर झुकता है, जिससे कीमतों में वृद्धि होती है, और इसलिए, लागत-जनित कहा जाता है।

- आपूर्ति के व्यवधान के कारण लागत-जनित मुद्रास्फीति सबसे अधिक उत्पन्न होती है। उदाहरण के लिए, तेल की कीमत में वृद्धि से लगभग सभी वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन की लागत बढ़ जाती है तथा इसके परिणामस्वरूप मुद्रास्फीति में तुरंत वृद्धि होती है। इस तरह की मुद्रास्फीति लागत-जनित मुद्रास्फीति है। इसी तरह श्रमिक हड़ताल, युद्ध, बाढ़ आदि आपूर्ति कम करते हैं और कीमतें बढ़ाते हैं।

- 2012 में, गंभीर बाढ़ ने पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत में फसलों को नष्ट कर दिया था, रिफाइनरी को बंद कर दिया, मवेशियों को मार डाला था और आपूर्ति में व्यापक व्यवधान पैदा किया था। इसने कीमतों के सामान्य स्तर में वृद्धि की थी। यह इसी प्रकार की मुद्रास्फीति है
- सकल आपूर्ति में गिरावट के कारण मूल्य में वृद्धि लागत-जनित मुद्रास्फीति है।
- प्राकृतिक आपदाएँ आपूर्ति बाधित होने से मुद्रास्फीति का कारण बनती हैं। 2011 में जापान के भूकंप के बाद एक अच्छा उदाहरण है। इसने ऑटो पार्ट्स की आपूर्ति को बाधित कर दिया। ऐसा तूफान कैटरीना के बाद भी हुआ था। जब तूफान ने तेल रिफाइनरियों को नष्ट कर दिया, तो गैस की कीमतें बढ़ गईं थीं।

2008 के वित्तीय संकट के बाद, सोने और तेल की कीमतों में परिसंपत्ति मुद्रास्फीति हुई थी। आवास की कीमतों और व्यक्तिगत आय में गिरावट हुई। सोने की कीमतों में मांग-जनित मुद्रास्फीति जारी रही, जब तक कि वे एक रिकॉर्ड स्तर तक नहीं पहुंच गए।

Q.5) मांग-जनित मुद्रास्फीति के निम्नलिखित में से कौन से कारण हो सकते हैं?

1. एक विकसित होती अर्थव्यवस्था
2. निम्न बेरोजगारी दर
3. सरकारी व्यय में बढ़ोत्तरी
4. मुद्रास्फीति की आशाएं
5. संपत्ति मुद्रास्फीति

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1, 2, 3 और 5
b) केवल 2, 3, 4 और 5
c) केवल 1, 3, 4 और 5
d) उपरोक्त सभी

Q.5) Solution (d)

जब मांग आपूर्ति से अधिक हो जाती है, जिसका परिणाम उच्च कीमतें होती हैं। इसे मांग-जनित मुद्रास्फीति कहते हैं।

निम्न बेरोजगारी दर सामान्य रूप से निर्विवाद रूप से अच्छी है, लेकिन यह मुद्रास्फीति का कारण बन सकती है क्योंकि अधिक लोगों के पास अधिक व्यय-योग्य (डिस्पोजेबल) आय होती है।

सरकार का बढ़ा हुआ व्यय अर्थव्यवस्था के लिए भी अच्छा है, लेकिन इससे कुछ वस्तुओं में कमी आ सकती है तथा जिससे महंगाई दर बढ़ जाएगी।

मांग-जनित मुद्रास्फीति के कारण

1. एक विकसित होती अर्थव्यवस्था: जब उपभोक्ताओं को आत्मविश्वास महसूस होता है, तो वे अधिक खर्च करते हैं और अधिक कर्ज लेते हैं। इससे मांग में लगातार वृद्धि होती है, जिसका परिणाम उच्च कीमतें होती हैं।
2. संपत्ति मुद्रास्फीति (Asset inflation): निर्यात कारकों में अचानक वृद्धि शामिल मुद्राओं के एक अल्पमूल्यन (undervaluation) को बल देती है।
3. सरकारी व्यय: जब सरकार अधिक स्वतंत्र रूप से व्यय करती है, तो कीमतें बढ़ जाती हैं।
4. मुद्रास्फीति प्रत्याशा: कंपनियां निकट भविष्य में मुद्रास्फीति की उम्मीद में अपनी कीमतें बढ़ा सकती हैं।
5. प्रणाली में अधिक मुद्रा: खरीदने के लिए बहुत कम वस्तु के साथ पैसे की आपूर्ति का विस्तार कीमतों को बढ़ाता है।

Q.6) "ऑपरेशन ग्रीन योजना" (Operation greens scheme) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह केवल टमाटर, प्याज और आलू के उत्पादन और प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम है, जिसके एक उद्देश्य के रूप में उनमें मूल्य अस्थिरता की जांच करना है।
2. इसकी घोषणा 5,000 करोड़ के परिव्यय के साथ 2018-19 के वार्षिक बजट के दौरान की गई थी

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.6) Solution (a)

ऑपरेशन ग्रीन योजना (Operation greens scheme)

केंद्रीय बजट 2018-19 के बजट भाषण में, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), कृषि-लॉजिस्टिक्स, प्रसंस्करण सुविधाओं और पेशेवर प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, "ऑपरेशन ग्रीन्स" की एक नई योजना की घोषणा "ऑपरेशन फ्लड" की तर्ज पर की गई थी। तदनुसार, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने टमाटर, प्याज और आलू (TOP) मूल्य श्रृंखला के एकीकृत विकास के लिए एक योजना तैयार की है।

उद्देश्य:

- टीओपी (TOP) उत्पादन समूहों और उनके एफपीओ को मजबूत करने के लिए लक्षित हस्तक्षेपों द्वारा टीओपी किसानों के मूल्य वर्धन को बढ़ाना, और उन्हें बाजार से जोड़ना।
- TOP क्लस्टरों में उचित उत्पादन योजना और दोहरे उपयोग वाली किस्मों की शुरूआत द्वारा उत्पादकों और उपभोक्ताओं के लिए मूल्य स्थिरीकरण करना।

- फ़ार्म गेट इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण, उपयुक्त कृषि-लॉजिस्टिक्स के विकास और उपभोग केंद्रों को जोड़ने वाली उचित भंडारण क्षमता के निर्माण से फसल के बाद के नुकसान में कमी लाना।
- खाद्य प्रसंस्करण क्षमताओं में वृद्धि और उत्पादन समूहों के साथ फर्म लिंकेज के साथ TOP वैल्यू चेन में मूल्यवर्धन करना।
- शीर्ष फसलों की मांग और आपूर्ति तथा कीमत पर वास्तविक समय के डेटा को एकत्रित करने और अंतर्संबंधित करने के लिए एक बाजार खुफिया नेटवर्क की स्थापना करना।

Q.7) निम्नलिखित में से कौन लागत-जनित मुद्रास्फीति का कारण हो सकता है?

1. वेतन में वृद्धि
2. व्यवसाय का एकाधिकार
3. सरकार विनियमन और कर
4. विनिमय दरें (Exchange rates)
5. बढ़ती उत्पादन लागत

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1, 2, 3 और 5
b) केवल 2, 3, 4 और 5
c) केवल 1, 3, 4 और 5
d) उपरोक्त सभी

Q.7) Solution (d)

लागत -जनित मुद्रास्फीति (Cost-Push Inflation):

सामान्यतः उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण यह मूल्य वृद्धि होती है। जैसा कि हम जानते हैं, उत्पादन और परिवहन की लागत के कारण सेब की कीमतों में वृद्धि हुई थी। यह लागत-जनित मुद्रास्फीति है।

इसके कुछ प्रमुख कारण हैं:

- **मजदूरी में वृद्धि:** मजदूरों या किसी अन्य परिस्थिति के कारण मजदूरों की मजदूरी में वृद्धि के साथ, उत्पादन लागत में वृद्धि होती है, जिससे उत्पाद की कीमतें बढ़ जाती हैं
- **व्यापारिक एकाधिकार:** जब किसी कंपनी का किसी विशेष उत्पाद पर एकाधिकार होता है, तो वह उत्पाद की मात्रा और कीमत तय कर सकती है, जिससे कीमतों में वृद्धि हो सकती है
- **सरकारी विनियमन और कर:** अप्रत्यक्ष कर सीधे किसी भी उत्पाद की बिक्री मूल्य में वृद्धि करते हैं। इसके अलावा, सरकार के नियमों जैसे कि विशेष संसाधन पर प्रतिबंध लगाने या एमएसपी बढ़ाने से उत्पाद की उत्पादन लागत में वृद्धि हो सकती है।

- **विनिमय दर (Exchange rates):** यदि विनिमय दरों में गिरावट होती है, तो कच्चे माल की लागत में वृद्धि होती है इसलिए उत्पादों की कीमतों में वृद्धि होती है
- **उत्पादन लागत बढ़ाना:** उत्पादन के चार कारकों में से किसी एक में वृद्धि से उत्पादन की लागत बढ़ जाती है।

Q.8) निम्नलिखित में से किसे "मिश्रित मुद्रास्फीति" (mixed inflation) का उन्नत रूप माना जाता है?

a) मार्क-अप मुद्रास्फीति (Mark-up inflation)
b) मुद्रास्फीतिजनित मंदी (Stagflation)
c) विस्फीति (Dis-inflation)
d) अति स्फीति (Hyperinflation)

Q.8) Solution (a)

अधिकांश अर्थशास्त्रियों का मानना है कि मुद्रास्फीति न तो पूरी तरह से ‘मांग जनित’ है और न ही पूरी तरह से ‘लागत जनित’ है, वास्तविक मुद्रास्फीति प्रक्रिया में दोनों के तत्व शामिल होते हैं। अत्यधिक मांग और वेतन में वृद्धि एक ही समय में होता है, लेकिन यह आवश्यक नहीं है कि वे एक ही समय में आरंभ हों।

गार्नर अकले (Garner Akley) ने **'मार्कअप मुद्रास्फीति' (markup inflation)** के सिद्धांत को आगे रखा। सरल शब्दों में यह 'मिश्रित मुद्रास्फीति' का एक उन्नत विवरण है। अकले के अनुसार पहले मांग जनित मुद्रास्फीति आती है, और इसके बाद लागत जनित मुद्रास्फीति होती है। मार्कअप मुद्रास्फीति तब होती है जब अतिरिक्त मांग कीमतों में वृद्धि करती है, जो उत्पादन को उत्तेजित करती है। बढ़ता हुआ उत्पादन उत्पादन के कारकों की अत्यधिक माँग पैदा करता है, और उत्पादन के कारकों की अत्यधिक माँग कीमतों को और बढ़ा देती है।

Q.9) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. पुन:स्फीति (Reflation) उस स्थिति को संदर्भित करती है जहां मुद्रास्फीति को रोकने के लिए उपाय किए जाते हैं
2. अपस्फीति (deflation) के दौरान मुद्रा की क्रय शक्ति बढ़ जाती है
3. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति को हेडलाइन मुद्रास्फीति (headline inflation) कहा जाता है

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.9) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
पुन:स्फीति (Reflation): इस शब्द का उपयोग उस स्थिति को संदर्भित करने के लिए किया जाता है जहां **अपस्फीति (deflation)** को रोकने के लिए उपाय किए जाते हैं। यह कदम राजकोषीय नीति (करों को कम करने) या मौद्रिक नीति (धन की आपूर्ति बढ़ाने या ब्याज दरों को कम करने) की तरह हो सकते हैं	सामयिक अवधि में अपस्फीति (Deflation) सामान्य मूल्य स्तर में कमी है। अपस्फीति मुद्रास्फीति के विपरीत है। विशेष रूप से अर्थशास्त्रियों के लिए, इस शब्द का उपयोग कभी-कभी मुद्रा की आपूर्ति के आकार में कमी (सामान्य मूल्य स्तर में कमी का एक अनुमानित कारण के रूप में) के लिए किया जाता है। उत्तरवर्ती को अब अक्सर मुद्रा की आपूर्ति के 'संकुचन' के रूप में जाना जाता है। अपस्फीति के दौरान वस्तुओं या ब्याज की प्राथमिकता में तरलता की मांग बढ़ जाती है। अपस्फीति के दौरान मुद्रा की क्रय शक्ति बढ़ जाती है। अपस्फीतिक सर्पिल (deflationary spiral) की क्षमता और महामंदी से इसके जुड़ाव के कारण अपस्फीति को एक आधुनिक अर्थव्यवस्था में एक समस्या माना जाता है, हालांकि अपस्फीति के सभी प्रकरण ऐतिहासिक रूप से खराब आर्थिक विकास के समय के अनुरूप नहीं होते हैं।	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति को हेडलाइन मुद्रास्फीति कहा जाता है

Q.10) निम्नलिखित में से कौन "ग्रामीण आबादी के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संख्या" को लाता है?

a) भारतीय रिजर्व बैंक
b) आर्थिक मामलों का विभाग
c) श्रम ब्यूरो
d) राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय

Q.10) Solution (d)

- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) घरों द्वारा उपभोग की जाने वाली आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं के खुदरा मूल्यों में परिवर्तन को ट्रैक करता है
- सूचकांक ग्रामीण, शहरी और साथ ही अखिल भारतीय स्तर पर वस्तुओं और सेवाओं की संपूर्ण टोकरी के मूल्य आंदोलन को ट्रैक करता है।
- सूचकांक में टोकरी में विभिन्न वस्तुओं से जुड़े अलग-अलग भारांश होते हैं। एकल तत्व का भार शहरी और ग्रामीण सूचकांक के लिए भी भिन्न हो सकता है। उदाहरण के लिए, खाद्य और पेय पदार्थ श्रेणी ग्रामीण सीपीआई में 54.18% भार वहन करते हैं, जबकि यह शहरी सूचकांक में केवल 36.29% भार वहन करते है।
- सामयिक अवधि में सूचकांक में बदलाव सीपीआई मुद्रास्फीति है। सीपीआई का व्यापक रूप से अधिकांश देशों द्वारा मुद्रास्फीति के एक व्यापक आर्थिक संकेतक के रूप में, सरकारों और केंद्रीय बैंकों द्वारा मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण और मूल्य स्थिरता की निगरानी के लिए, तथा राष्ट्रीय खातों में अपस्फीति के रूप में उपयोग किया जाता है। वर्तमान में, भारतीय रिज़र्व बैंक 4% लक्ष्य के 2% के भीतर CPI- आधारित मुद्रास्फीति को लक्षित करता है।
- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय 2012 = 100 आधार पर सीपीआई (ग्रामीण, शहरी, संयुक्त) को मासिक आधार पर लाता है।

Q.11) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. जीडीपी अपस्फीतिकारक (deflator) उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को मापता है, जबकि सीपीआई केवल उपभोक्ताओं द्वारा खरीदी गयी वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को मापता है।
2. सीपीआई और डब्ल्यूपीआई में भारांक स्थिर (टोकरी में) होते है, लेकिन वे जीडीपी अपस्फीतिकारक (deflator) में प्रत्येक वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन स्तर के अनुसार भिन्न होते हैं।
3. जीडीपी अपस्फीतिकारक (deflator) में केवल उन्हीं वस्तुओं को शामिल किया जाता है जो घरेलू स्तर पर उत्पादित होती हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 2
d) उपरोक्त सभी

Q.11) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य

जीडीपी अपस्फीतिकारक (deflator) उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को मापता है, जबकि सीपीआई या आरपीआई केवल उपभोक्ताओं द्वारा खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को मापता है। इस प्रकार, फर्मों या सरकार द्वारा खरीदे गए सामानों की कीमत में वृद्धि जीडीपी डिफ्लेटर में दिखाई देगी लेकिन सीपीआई या आरपीआई में नहीं।	सीपीआई या आरपीआई अलग-अलग वस्तुओं की कीमतों के लिए निश्चित भार (weights) प्रदान करता है, जबकि जीडीपी डिफ्लेटर बदलते भार को असाइन करता है। दूसरे शब्दों में, सीपीआई या आरपीआई की गणना वस्तु की एक निश्चित टोकरी का उपयोग करके की जाती है, जबकि जीडीपी डिफ्लेटर वस्तु की टोकरी को समय के साथ बदलने की अनुमति देता है क्योंकि जीडीपी की संरचना बदल जाती है।	जीडीपी डिफ्लेटर में केवल उन्हीं वस्तुओं को शामिल किया जाता है जो घरेलू स्तर पर उत्पादित होती हैं। आयातित माल जीडीपी का हिस्सा नहीं है और जीडीपी डिफ्लेटर में नहीं दिखता है। उदाहरण के लिए, जापान में बने टोयोटा की कीमत में वृद्धि और यू.के. में बेची गई सीपीआई या आरपीआई को प्रभावित करती है, क्योंकि टोयोटा को यू.के. में उपभोक्ताओं द्वारा खरीदा जाता है, लेकिन यह जीडीपी डिफ्लेटर को प्रभावित नहीं करता है।

Q.12) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. उच्च मुद्रास्फीति हमारे निर्यात के अधिक कीमत तथा आयात के कम कीमत का कारण बनेगी।
2. अपस्फीति (Deflation) अर्थव्यवस्था की सहायक होती है जो निरंतर तकनीकी प्रगति में निवेश करती है।
3. शून्य मुद्रास्फीति (Zero inflation) अर्थव्यवस्था के लिए खराब होती है क्योंकि उत्पादन और मांग दोनों ही स्थिर होते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन करें

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 2
d) उपरोक्त सभी

Q.12) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
जैसा कि आप जानते हैं, मुद्रास्फीति आपकी मुद्रा को कम मूल्यवान बनाती है। उच्च	ऐसे कुछ मामले हैं जहां यह अच्छा हो सकता है लेकिन इस 21 वीं सदी में यह शायद ही कभी देखा जा	मुद्रास्फीति अक्सर (लेकिन हमेशा नहीं) विकास से संबंधित होती है। जब 'शून्य' या बहुत निम्न

मुद्रास्फीति हमारे निर्यात के अधिक कीमत तथा आयात के कम कीमत का कारण बनेगी। इसलिए, कम निर्यात और अधिक आयात होगा जिससे भुगतान संतुलन बिगड़ जाएगा।	सकता है। मान लीजिए अगर लगातार तकनीकी सुधार होते हैं: तो अधिकांश सामान हर साल कम लागत पर उत्पादित किया जा सकता है तथा इसलिए कीमतें गिर सकती हैं। यह निश्चित रूप से एक अच्छा संकेत है भले ही कोई अपस्फीति हो। यह भी हो सकता है कि जापान के साथ ऐसा कैसे हुआ, अगर अधिकांश पड़ोसी देशों में मुद्रास्फीति हो रही है, तो अपस्फीति वाले देश को बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ होता है क्योंकि उनके सामान स्पष्ट रूप से मुद्रास्फीति वाले अन्य देशों की तुलना में सस्ते लगते हैं।	मुद्रास्फीति होती है, तो: • अर्थव्यवस्था में मुद्रा लगभग स्थिर रहती है • उत्पादन स्थिर रहेगा और • मांग भी स्थिर रहेगी। • इसलिए, यह बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा नहीं है।

Q.13) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति पिछले 5 वर्षों के दौरान लगातार बढ़ी है।
2. जीडीपी अपस्फीतिकारक (GDP deflator) में पिछले 5 वर्षों के दौरान लगातार वृद्धि हुई है।
3. थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति पिछले 5 वर्षों के दौरान लगातार बढ़ी है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके उत्तर चुनें

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.13) Solution (c)

भारत में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति 2020 की जनवरी में 7.59% बढ़ गयी, जो दिसंबर में 7.35% थी, जो 7.4% की अपेक्षा से अधिक थी। मई, 2014 से सीधे 6 वें महीने के लिए मुद्रास्फीति में तेजी आई है।

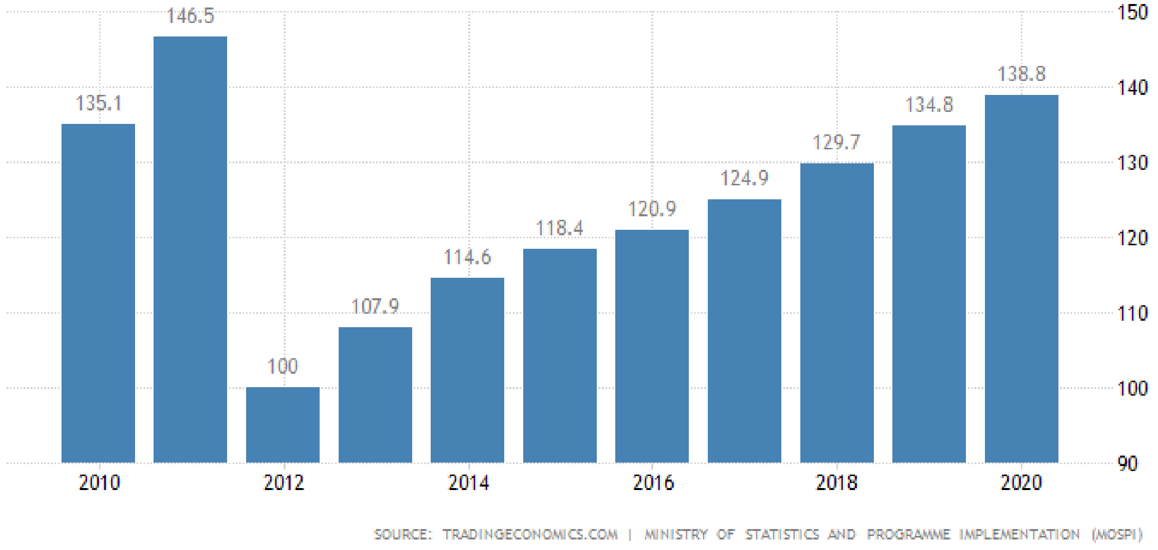

भारत में जीडीपी डिफ्लेटर 2019 में 134.80 अंकों से 2020 में 138.80 अंक तक बढ़ गया। जैसा कि हम ऊपर ग्राफ से देख सकते हैं कि जीडीपी डिफ्लेटर पिछले 5 वर्षों में लगातार बढ़ा है।

समग्र थोक मूल्य सूचकांक में पिछले 5 वर्षों में उतार-चढ़ाव देखा गया है

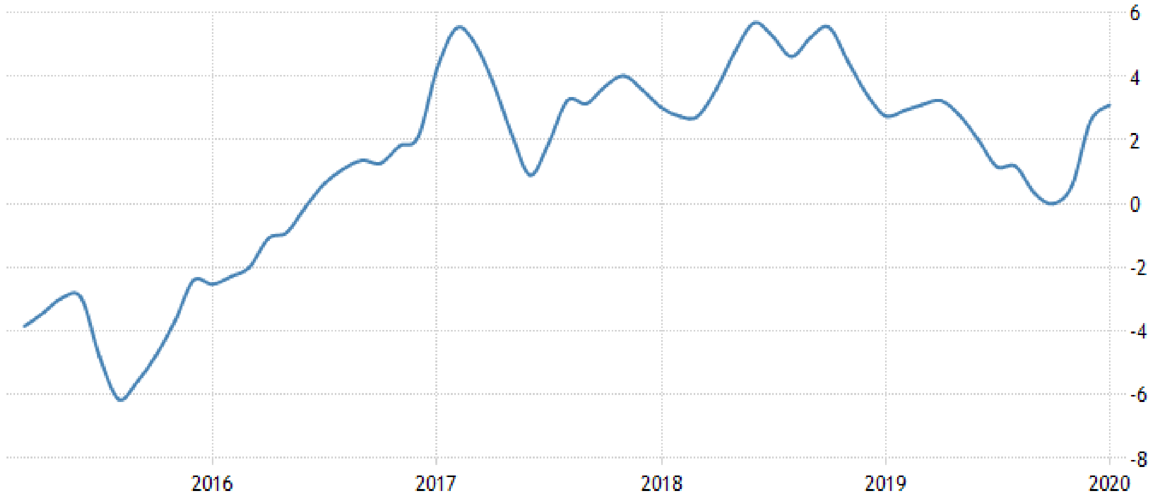

SOURCE: TRADINGECONOMICS.COM | OFFICE OF THE ECONOMIC ADVISOR, INDIA

Q.14) निम्न में से कौन मासिक मुद्रास्फीति के आंकड़े में विकृति को दर्शाता है जो वर्ष-महीने में असामान्य रूप से उच्च या निम्न स्तर की मुद्रास्फीति से होता है?

a) आधार प्रभाव (Base effect)
b) दूरगामी प्रभाव (Domino effect)
c) लागत-जनित प्रभाव
d) मार्क-अप प्रभाव (mark-up effect)

Q.14) Solution (a)

आधार प्रभाव (base effect) एक मासिक मुद्रास्फीति के आंकड़े में विकृति है जो वर्ष-महीने में असामान्य रूप से उच्च या निम्न स्तर की मुद्रास्फीति से होता है। एक आधार प्रभाव समय के साथ मुद्रास्फीति के स्तर का सही आकलन करना मुश्किल बना सकता है।

मुद्रास्फीति अक्सर महीने-दर-महीने के आंकड़े या साल-दर-साल के आंकड़े के रूप में व्यक्त की जाती है। आमतौर पर, अर्थशास्त्री और उपभोक्ता जानना चाहते हैं कि एक साल पहले की तुलना में आज कितनी अधिक या कम कीमतें हैं। लेकिन एक महीने में मुद्रास्फीति की वृद्धि एक साल बाद विपरीत प्रभाव पैदा कर सकती है, अनिवार्य रूप से यह धारणा बना सकती है कि मुद्रास्फीति धीमा हो गई है।

आधार प्रभाव के उदाहरण

मुद्रास्फीति की गणना मूल्य के स्तरों के आधार पर की जाती है जो एक सूचकांक में संक्षेपित होते हैं। सूचकांक जून में बढ़ सकता है, उदाहरण के लिए, शायद गैसोलीन की कीमतों में वृद्धि के कारण। अगले 11 महीनों में,

महीने-दर-महीने परिवर्तन सामान्य हो सकता है, लेकिन जब जून फिर से आता है तो इसकी कीमत का स्तर एक साल पहले की तुलना में होगा जिसमें सूचकांक ने गैसोलीन की कीमतों में बढ़ोतरी को दर्शाया था। उस स्थिति में, क्योंकि उस महीने का सूचकांक उच्च था, इस जून में मूल्य परिवर्तन कम होगा, जिसका अर्थ है कि मुद्रास्फीति तब नियंत्रण में हो गई है, जबकि वास्तव में, सूचकांक में छोटा परिवर्तन आधार प्रभाव का एक प्रतिबिंब है - जो एक साल पहले के उच्च सूचकांक मूल्य का परिणाम है।

Q.15) भारत में परिवारों का 'मुद्रास्फीति प्रत्याशा सर्वेक्षण' (inflation expectation survey) किसके द्वारा किया जाता है

a) केंद्रीय सांख्यिकी संगठन
b) राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन
c) भारतीय रिजर्व बैंक
d) वित्त मत्रांलय

Q.15) Solution (c)

रिज़र्व बैंक ने जनवरी 2020 के राउंड ऑफ इन्फ्लेशन एक्सपेक्टेशंस सर्वे ऑफ़ हाउसेज़ (IESH) के परिणाम जारी किए। सर्वेक्षण 18 प्रमुख शहरों में आयोजित किया गया था तथा परिणाम 5,868 शहरी परिवारों की प्रतिक्रियाओं पर आधारित हैं।

यह सर्वेक्षण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा द्विमासिक अंतराल पर आयोजित किया जाता है। यह उत्तरदाताओं द्वारा अपेक्षित के रूप में निकट अवधि के मुद्रास्फीति के दबावों पर दिशात्मक जानकारी प्रदान करता है तथा अपने स्वयं के उपभोग पैटर्न को प्रतिबिंबित कर सकता है। इसलिए, उन्हें मुद्रास्फीति पर घरों की प्रत्याशाओं के रूप में माना जाना चाहिए।

Q.16) निम्न में से किस स्थिति में RBI को नीति दर को उच्च स्तर पर रखने की आवश्यकता हो सकती है?

1. अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति अधिक हो
2. अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति की प्रत्याशा (expectation) अधिक हो

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.16) Solution (c)

आरबीआई रेपो दर को उच्च बनाए रखता है या अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति बढ़ने पर इसे बढ़ाता है।

जब लोगों की "मुद्रास्फीति की प्रत्याशा" अधिक होती है, यानी वे उम्मीद कर रहे हैं कि भविष्य में मुद्रास्फीति बढ़ेगी, और फिर लोगों के इस तरह के व्यवहार से अंततः अर्थव्यवस्था में उच्च मुद्रास्फीति होती है जिसके कारण RBI रेपो दर को बढ़ाता है।

अतः, दोनों कथन सही हैं।

Q.17) भारत में मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (Inflation targeting) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. मुद्रास्फीति का लक्ष्य सरकार द्वारा प्रत्येक चार वर्ष में एक बार RBI के परामर्श से निर्धारित किया जाता है।
2. मुद्रास्फीति लक्ष्य को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-संयुक्त (CPI-C) द्वारा मापा जाता है।
3. 5 अगस्त, 2016 से 31 मार्च, 2021 की अवधि के लिए मुद्रास्फीति का लक्ष्य 4% (+/-) 2% है।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 3
d) केवल 3

Q.17) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
मुद्रास्फीति का लक्ष्य, आरबीआई के परामर्श से, **हर पांच साल में एक बार** सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है।	मुद्रास्फीति लक्ष्य को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-संयुक्त (CPI-C) द्वारा मापा जाता है	5 अगस्त, 2016 से 31 मार्च, 2021 की अवधि के लिए मुद्रास्फीति का लक्ष्य 4% (+/-) 2% है। यदि औसत मुद्रास्फीति 4% + 2% के ऊपरी सहिष्णु स्तर से अधिक है, अर्थात 6%, या 4% के निम्न सहिष्णु स्तर से कम है - 2%, जो कि 2% है, किसी भी 3 लगातार तिमाहियों के लिए, यह मुद्रास्फीति के लक्ष्य को प्राप्त करने में विफलता का अर्थ होगा।

Q.18) मुद्रास्फीति के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. मुद्रास्फीति का लाभ लेनदारों को मिलता है
2. मुद्रास्फीति का लाभ देनदारों को मिलता है
3. मुद्रास्फीति से लाभ बॉन्ड धारकों (bondholders) को मिलता है
4. मुद्रास्फीति का लाभ जमाकर्ताओं को मिलता है

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1, 2 और 3
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) केवल 2 और 3

Q.18) Solution (d)

- लेनदार का अर्थ उस व्यक्ति से है जिसने किसी को पैसा दिया है
- कर्जदार का मतलब है जिसने किसी से पैसा लिया हो
- जमाकर्ताओं का अर्थ है, जिन्होंने बैंकों या वित्तीय संस्थानों में पैसा जमा किया है
- बॉन्ड धारकों का अर्थ उस व्यक्ति से है जो बॉन्ड धारण कर रहा है

जब कोई व्यक्ति भौतिक संपत्ति रखता है जिसकी कीमत रुपये में अंकित होती है तो वह मूल्य वृद्धि या मुद्रास्फीति से लाभान्वित होता है।

लेकिन एक व्यक्ति जो वित्तीय संपत्ति रखता है (जैसे 100 रुपये का नोट) या कोई भी वित्तीय साधन जो भविष्य में नकद भुगतान की वापसी की गारंटी देता है तो वह मूल्य वृद्धि से हानि सहता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुद्रास्फीति के कारण रुपये की क्रय शक्ति घट जाती है।

इसलिए, मुद्रास्फीति के मामले में, जमाकर्ताओं, लेनदारों और बॉन्डहोल्डर्स को हानि होगी।

तो, केवल 2 कथन सही है।

Q.19) मुद्रास्फीतिक अंतराल (Inflationary Gap) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मौजूदा स्तर और प्रत्याशित जीडीपी के बीच अंतर का वर्णन करता है जो कि अनुभव होगा यदि अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगार स्तर पर है।
2. यह तब मौजूद होता है जब समग्र रोजगार के उच्च स्तर, व्यापार गतिविधियों में वृद्धि या सरकारी व्यय में वृद्धि जैसे कारकों के कारण वस्तुओं और सेवाओं की मांग, उत्पादन से अधिक हो जाती है।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.19) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
एक मुद्रास्फीतिक अंतराल (Inflationary Gap) एक व्यापक आर्थिक अवधारणा है जो बीच के अंतर का वर्णन करती है वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और प्रत्याशित जीडीपी का मौजूदा स्तर जो कि अनुभव होगा यदि कोई अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगार स्तर पर है, जिसे संभावित जीडीपी भी कहा जाता है। मुद्रास्फीति को अंतर मानने के लिए, वर्तमान वास्तविक जीडीपी दो मीट्रिक (two metrics) से अधिक होनी चाहिए।	मुद्रास्फीतिक अंतराल तब मौजूद होता है जब समग्र रोजगार के उच्च स्तर, व्यापार गतिविधियों में वृद्धि या सरकारी व्यय जैसे कारकों के कारण वस्तुओं और सेवाओं की मांग उत्पादन से अधिक हो जाती है। इससे वास्तविक जीडीपी संभावित जीडीपी को पार कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप मुद्रास्फीति में कमी होगी। मुद्रास्फीतिक अंतराल को इसलिए नाम दिया गया है क्योंकि वास्तविक जीडीपी में सापेक्ष वृद्धि के कारण अर्थव्यवस्था में उपभोग बढ़ जाता है, जिसके कारण कीमतें लंबे समय तक बढ़ती हैं।

Q.20) यदि किसी देश को मुद्रास्फीति का सामना करना पड़ रहा है, तो निम्नलिखित में से कौन अवश्य घटता है?

a) मजदूरी का स्तर
b) वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन
c) किसी दी गयी वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने के लिए आवश्यक मुद्रा की मात्रा
d) क्रय क्षमता

Q.20) Solution (d)

जब कोई देश मुद्रास्फीति का सामना करता है, तो हमें किसी दी गयी वस्तु और सेवाओं को खरीदने के लिए अधिक मुद्रा की आवश्यकता होती है और रुपये की क्रय शक्ति कम हो जाती है। मुद्रास्फीति के मामले में आम तौर पर मजदूरी बढ़ती है लेकिन आउटपुट (उत्पादन) के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है।

Q.21) 'पूंजीगत संरक्षण बफर' (Capital Conservation Buffer) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह अनिवार्य पूंजी है जिसे वित्तीय संस्थानों को न्यूनतम नियामक आवश्यकता से ऊपर रखने की आवश्यकता होती है।

2. पूंजी पर्याप्तता अनुपात RBI द्वारा निर्धारित किया जाता है, जबकि पूंजीगत संरक्षण बफर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.21) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
यह अनिवार्य पूंजी होती है, जिसे वित्तीय संस्थानों को न्यूनतम नियामक आवश्यकता से ऊपर रखने की आवश्यकता होती है। CCB के मानदंडों के अनुसार, बैंकों को कॉमन इक्विटी के रूप में 2.5% रिस्क-वेटेड एसेट्स (RWAs), 9% से अधिक को पूंजीगत पर्याप्तता अनुपात के रूप में आवश्यक बफर रखना होगा।	CCB बेसल 3 मानदंडों के आधार पर RBI द्वारा ही निर्धारित किया जाता है। इसे बैंकों के घाटे के प्रति लचीला बनाने के लिए लागू किया गया है।

Q.22) 'गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC)' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. कोई भी एनबीएफसी सावधि जमा (Time deposits) को स्वीकार नहीं कर सकता है।
2. एनबीएफसी उन बैंकों के विपरीत शेयर बाजार में पैसा लगा सकते हैं, जिन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं होती है।
3. CRR किसी भी NBFC पर लागू नहीं होता है, जबकि SLR केवल जमा (deposit) स्वीकार करने वाली NBFC के लिए लागू होता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.22) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
एनबीएफसी मांग जमा स्वीकार नहीं कर सकते हैं, लेकिन कुछ एनबीएफसी आवधिक/ सावधि जमा को स्वीकार कर सकते हैं तथा ये जमा स्वीकार करने वाले (Deposit taking) एनबीएफसी कहलाते हैं।	एनबीएफसी उन बैंकों के विपरीत शेयर बाजार में पैसा लगा सकते हैं, जिन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं होती है।	CRR किसी भी NBFC पर लागू नहीं होता है जबकि SLR (15% का) केवल जमा स्वीकार करने वाले NBFC के लिए लागू होता है।

Q.23) 'प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों' के तहत निम्न में से कौन सी श्रेणी शामिल नहीं है?

a) आवास
b) स्वास्थ्य देखभाल
c) शिक्षा
d) नवीकरणीय ऊर्जा

Q.23) Solution (b)

- प्राथमिकता क्षेत्र की श्रेणियां इस प्रकार हैं
  - कृषि

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम
- शिक्षा
- आवास
- सामाजिक अवसंरचना
- नवीकरणीय ऊर्जा
- अन्य

- स्वास्थ सुविधा के निर्माण को सामाजिक अवसंरचना श्रेणी के तहत शामिल किया गया है, क्योंकि स्वास्थ्य सेवा समग्र रूप से आरबीआई की प्राथमिकता क्षेत्र की ऋण सूची में नहीं आती है।

Q.24) 'डिजिटल पब्लिक क्रेडिट रजिस्ट्री' (Digital Public Credit Registry) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह व्यक्तियों और कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं की ऋण जानकारी को संग्रहित करेगा तथा वित्तीय जानकारी के बुनियादी ढांचे के रूप में काम करेगा।
2. यह वाई.एम. देवस्थले समिति द्वारा दी गई सिफारिशों के आधार पर स्थापित किया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.24) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**सत्य**
यह व्यक्तियों और कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं की ऋण जानकारी को संग्रहित करेगा तथा वित्तीय जानकारी के बुनियादी ढांचे के रूप में काम करेगा।	यह RBI द्वारा वाई.एम. देवस्थले समिति द्वारा दी गई सिफारिशों के आधार पर स्थापित किया गया था।

- यह वित्त उद्योग में विभिन्न हितधारकों और मौजूदा क्रेडिट जानकारी पारिस्थितिकी तंत्र को समृद्ध करेगा
- उपयोगी क्रेडिट जानकारी बैंकों को खराब ऋण को कम करने में मदद करेगी।

Q.25) इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं को लोगों के घर पर उपलब्ध कराना है। IPPB के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. IPPB डाक विभाग की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है तथा पूरी तरह से इसके द्वारा शासित होगी।
2. यह जमा स्वीकार करेगा, प्रेषण (remittance) सेवाओं, मोबाइल बैंकिंग तथा बीमा और म्यूचुअल फंड जैसी सेवाएं प्रदान करेगा।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.25) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**असत्य**
IPPB डाक विभाग की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, लेकिन यह RBI द्वारा शासित होगी क्योंकि यह भुगतान बैंक है।	यह जमा स्वीकार करेगा, प्रेषण सेवा, मोबाइल बैंकिंग प्रदान करेगा। यह अपने आप बीमा और म्यूचुअल फंड जैसी सेवाएं प्रदान नहीं करेगा, बल्कि यह बीमा और म्यूचुअल फंड जैसी तृतीय-पक्ष सेवाओं तक पहुंच प्रदान करता है।

Q.26) 'भारत 22' हाल ही में समाचारों में देखा गया है, जो किससे संबंधित है

a) एक विनिमय व्यापार फंड (Exchange Traded Fund)
b) भारत की सबसे तेज़ स्वदेशी ट्रेन
c) 2022 तक सस्ते इन्फ्लूएंजा टीका विकसित करने का मिशन
d) 2022 तक सभी असमान डिजिटल पहलों को समेकित करने का मिशन

Q.26) Solution (a)

- भारत 22 (Bharat 22) वित्त मंत्रालय द्वारा आरंभ किया गया एक एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF) है।
- ईटीएफ, या एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड, एक बाजार योग्य प्रतिभूति है जो स्टॉक इंडेक्स, कमोडिटी, बॉन्ड या परिसंपत्तियों की एक टोकरी को ट्रैक करता है। इसका ट्रेडिंग मूल्य अंतर्निहित स्टॉक के शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य पर आधारित होता है, जिसका यह प्रतिनिधित्व करता है।
- भारत 22 में 22 शेयर शामिल हैं, जिनमें केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और होल्डिंग ऑफ इंडिया के यूनिट ट्रस्ट के निर्दिष्ट उपक्रम शामिल हैं।

Q.27) गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (NPA) के मुद्दे को हल करने के लिए सरकार ने निम्नलिखित में से कौन से कदम उठाए हैं?

1. इन्द्रधनुष योजना
2. प्रोजेक्ट सशक्त
3. प्रोजेक्ट इनसाइट

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 1 और 3
d) केवल 2 और 3

Q.27) Solution (b)

विकल्प 1	**विकल्प 2**	**विकल्प 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
सरकार ने अगस्त 2015 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को पुनर्संरचित करने के लिए इंद्रधुनुश योजना की घोषणा की। सरकार द्वारा पीएसबी में पूंजी की आसव (infusion) की योजना को चार वित्तीय वर्षों में 70,000 करोड़ रूपए के साथ पूरा किया जायेगा।	सुनील मेहता समिति की सिफारिश के अनुसार प्रोजेक्ट सशक्त तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान की दिशा में पाँच-स्तरीय रणनीति है। 5 दीर्घ रणनीति - • MSME दृष्टिकोण • बैंक के नेतृत्व में समाधान • IBC दृष्टिकोण • AMC नेतृत्व में समाधान • एसेट ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (Asset trading platform)	प्रोजेक्ट इनसाइट संभावित कर अपवंचकों की जांच करने के लिए आयकर विभाग द्वारा सोशल मीडिया से बिग डेटा माइनिंग करने की एक पहल है।

Q.28) एक अर्थव्यवस्था में मौद्रिक गुणक (Money Multiplier) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. वैधानिक तरलता अनुपात में कमी के साथ मौद्रिक गुणक बढ़ता है।
2. मौद्रिक गुणक, उधार की मांग में कमी के साथ बढ़ता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1

b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.28) Solution (a)

- मौद्रिक गुणक (money multiplier) वह धन है जो बैंक प्रत्येक रुपये रिज़र्व के साथ उत्पन्न करते हैं। रिज़र्व डिपॉज़िट की वह राशि होती है, जिसे सेंट्रल बैंक के अनुसार बैंकों को अपने पास रखने की आवश्यकता होती है, न कि उधार देने की। मौद्रिक गुणक बैंकिंग प्रणाली में रिज़र्व के लिए जमा का अनुपात है।

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
मौद्रिक गुणक में प्रत्यक्षतः वैधानिक आरक्षित अनुपात (एसएलआर, सीआरआर) में कमी के साथ सुधार होता है।	मौद्रिक गुणक अप्रत्यक्ष रूप से अर्थव्यवस्था के विकास, उपभोग / ऋण की मांग बढ़ने के साथ-साथ बैंकिंग पहुँच में सुधार करता है।

Q.29) 'संकीर्ण बैंकिंग' (Narrow Banking) शब्द से क्या तात्पर्य है

a) बैंक जो केवल संकीर्ण मुद्रा पर निवेश करते हैं
b) बैंक जो जोखिम-मुक्त संपत्ति में अपनी जमा के बड़े हिस्से का निवेश करते हैं
c) बैंक जो केवल कुछ विशिष्ट उद्योगों में निवेश करते हैं
d) बैंक जो केवल कुछ चुनिंदा ग्राहकों की सेवा करते हैं

Q.29) Solution (b)

- संकीर्ण बैंकिंग, जिसे सुरक्षित बैंकिंग भी कहा जाता है, में जमा के बड़े हिस्से को निवेश करना शामिल है जहाँ बैंकों को सरकारी प्रतिभूतियों आदि जैसे जोखिम-मुक्त संपत्ति में मिलते हैं।
- तारापोर समिति एनपीए के समाधान के रूप में संकीर्ण बैंकिंग की अवधारणा देने के लिए जानी जाती है।
- भारतीय बैंक आमतौर पर आंशिक संकीर्ण बैंकिंग का पालन करते हैं - एसएलआर निर्धारित प्रतिशत सुरक्षित प्रतिभूतियों में होगा। कुछ बैंक अपने जोखिम को कम करने के लिए निर्धारित एसएलआर से अधिक निवेश करते हैं।

Q.30) पंजाब और महाराष्ट्र सहकारी बैंक हाल ही में समाचारों में थे। सहकारी बैंकों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. वे आरबीआई द्वारा नियंत्रित और विनियमित होते हैं।
2. वे पूरे भारत में समान रूप से फैले हुए हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.30) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**असत्य**
सहकारी बैंकों को आरबीआई द्वारा नियंत्रित किया जाता है तथा राज्य द्वारा नियंत्रित किया जाता है क्योंकि सहकारी समितियां राज्य सूची में हैं। इससे शक्ति में अस्पष्टता आ गई है।	लगभग 90% सहकारी समितियाँ 7 राज्यों में स्थित हैं तथा इस प्रकार असमान रूप से वितरित हैं।

Q.31) भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (SEBI) द्वारा निम्नलिखित में से कौन सा विनियमित किया जाता है

1. उद्यम पूंजी (Venture Capital)
2. चिट फंड कंपनियां
3. पेंशन निधि

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.31) Solution (a)

विकल्प 1	**विकल्प 2**	**विकल्प 3**
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
वेंचर कैपिटल, इक्विटी खरीदकर	चिट फंड कंपनियों को राज्य सरकारों	पेंशन फंड को 2003 में भारत

स्टार्टअप्स का वित्तीयन होता है। वे सेबी द्वारा विनियमित होते हैं।	द्वारा विनियमित किया जाता है। सदस्य पैसे का योगदान करते हैं और बोली लगाने के माध्यम से अपने सदस्यों को देते हैं।	सरकार द्वारा स्थापित पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) द्वारा विनियमित किया जाता है।

Q.32) RBI की सीमांत स्थायी सुविधा (Marginal Standing Facility- MSF) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. केवल अनुसूचित बैंक ही RBI से MSF का लाभ उठा सकते हैं।
2. MSF दर आमतौर पर रेपो दर से अधिक होती है।
3. MSF के तहत बैंक एसएलआर कोटे से 1% तक सरकारी प्रतिभूतियों में रख सकते हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.32) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
गैर-अनुसूचित बैंक भी रेपो दर का उपयोग करके उधार ले सकते हैं, जबकि केवल अनुसूचित बैंक ही RBI से MSF का लाभ उठा सकते हैं।	एमएसएफ दर आमतौर पर रेपो दर से 100 आधार अंक अधिक होती है।	एमएसएफ के तहत बैंक एसएलआर कोटे से 1% तक सरकारी प्रतिभूतियों में रख सकती हैं।

Q.33) डिजिटल भुगतान के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. BHIM ऐप उपयोगकर्ता को केवल UPI- सक्षम बैंक खाते वाले किसी व्यक्ति को धन हस्तांतरित करने की अनुमति देता है।
2. BHIM ऐप वाणिज्यिक प्रकृति के लेनदेन की अनुमति नहीं देता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.33) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**असत्य**
BHIM ऐप उपयोगकर्ता को किसी को भी UPI- सक्षम बैंक खाते तथा बैंक खाता संख्या और IFSC कोड विवरण के माध्यम से किसी को धन हस्तांतरित करने की अनुमति देता है।	BHIM ऐप वाणिज्यिक लेनदेन का समर्थन करता है। यहां तक कि यह स्कैन और भुगतान जैसी सुविधाएं भी प्रदान करता है।

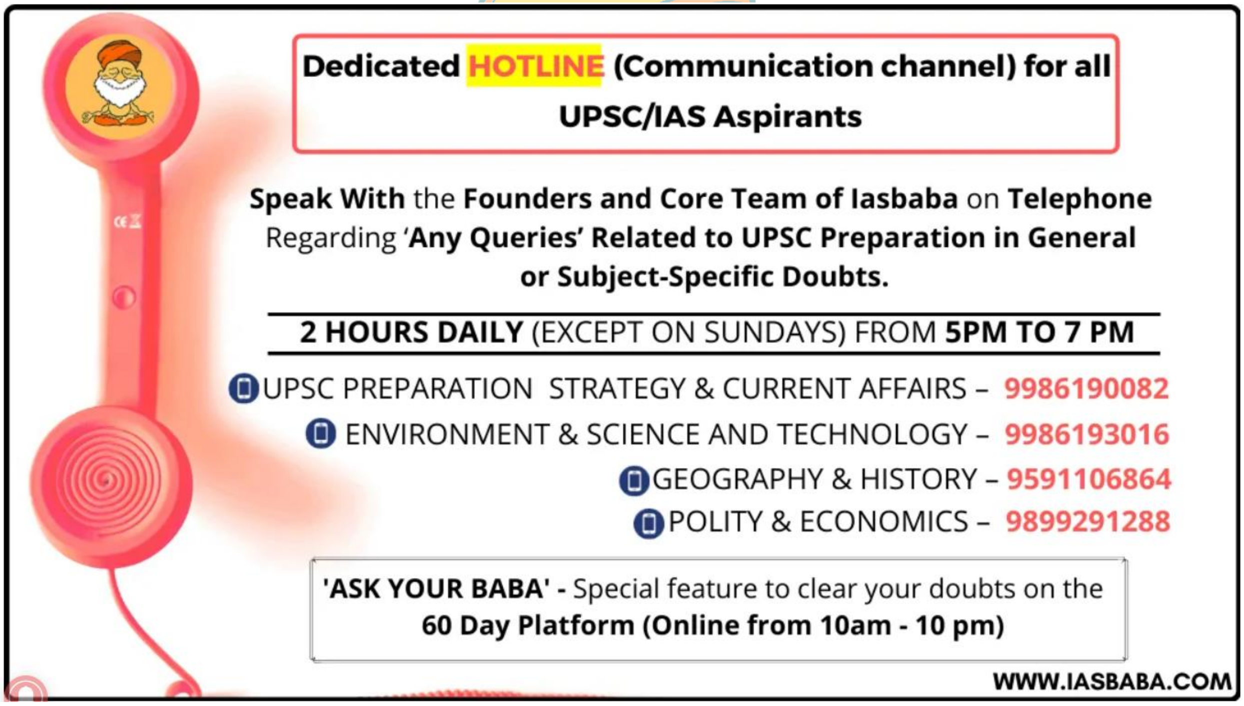

Q.34) शब्द 'शून्य कूपन बॉन्ड' किससे संबंधित है

a) बांड जो इसके अंकित मूल्य पर छूट के साथ जारी किए जाते हैं, लेकिन कोई ब्याज नहीं देते हैं।
b) बांड जो इसके अंकित मूल्य पर जारी किए जाते हैं, लेकिन ब्याज का भुगतान करते हैं।
c) बांड जो संपार्श्विक या सुरक्षा द्वारा समर्थित नहीं होते हैं।
d) यदि बांड जारी करने वाली कंपनी / इकाई दिवालिया हो जाती है तो शून्य ब्याज प्राप्त होता है।

Q.34) Solution (a)

- शून्य कूपन बॉन्ड, जिसे डिस्काउंट बॉन्ड के रूप में भी जाना जाता है, बॉन्डधारकों को कोई ब्याज नहीं देते हैं। इसके बजाय, आपको बांड के अंकित मूल्य पर बड़ी छूट मिलती है।
- परिपक्वता पर, बांडधारक को अपने निवेश का अंकित मूल्य प्राप्त होता है।
- भारत में ट्रेजरी बिल जीरो कूपन बॉन्ड का एक उदाहरण है।

Q.35) ट्रेजरी बिल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. ट्रेजरी बिल केवल सरकारी खजाने (ट्रेज़री) द्वारा जारी की जाने वाली प्रतिभूतियां हैं।
2. व्यक्ति, फर्म, ट्रस्ट, संस्थान और बैंक ट्रेजरी बिल खरीद सकते हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.35) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
ट्रेजरी बिल केवल केंद्र सरकार द्वारा उधार लिए गए अल्पावधि (एक वर्ष से कम की परिपक्वता) के लिए साधन हैं। ट्रेजरी बिल के अलावा अन्य बिलों को वाणिज्यिक बिल के रूप में जाना जाता है।	व्यक्ति, फर्म, ट्रस्ट, संस्थान और बैंक T-Bills खरीद सकते हैं। वाणिज्यिक और सहकारी बैंक अपनी एसएलआर आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए टी-बिल का उपयोग करते हैं।

Q.36) पार्टिसिपेटरी नोट्स (पी-नोट्स) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

a) पी-नोट विदेशी निवेशकों के लिए सेबी द्वारा जारी किए गए उपकरण हैं जो भारत के शेयर बाजारों में निवेश करना चाहते हैं।
b) कोई भी इकाई सेबी के तहत पंजीकरण के बिना पार्टिसिपेटरी नोटों में निवेश कर सकती है।
c) पार्टिसिपेटरी नोट देश में व्यापार को आसान बनाने वाले अनुमोदनों और वितरण के माध्यम से हस्तांतरणीय हैं।
d) पी-नोट्स लेन-देन की लागत को कम करने के साथ-साथ निवेशक का नाम गुमनाम रखने में भी मदद करते हैं।

Q.36) Solution (a)

- पार्टिसिपेटरी नोट्स जिन्हें पी-नोट्स (पीएन) भी माना जाता है, पंजीकृत एफआईआई द्वारा जारी किए गए उपकरण हैं।
- उनका उपयोग विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के ग्राहकों द्वारा किया जाता है जो सीधे भारतीय शेयर बाजार में भाग नहीं लेना चाहते हैं।
- कोई भी इकाई सेबी के तहत पंजीकरण के बिना पार्टिसिपेटरी नोटों में निवेश कर सकती है जबकि सेबी के तहत पंजीकरण सभी एफआईआई के लिए अनिवार्य है।
- विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारत के बाहर स्थापित संस्थाएं हैं जो भारत में निवेश प्रस्ताव बनाने के लिए उत्तरदायी होते हैं।

Q.37) निम्नलिखित में से कौन भारत में तत्काल भुगतान सेवा (IMPS) प्रदान करता है?

a) भारतीय बैंकों का संघ
b) नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड
c) भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम
d) भारतीय रिजर्व बैंक

Q.37) Solution (c)

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI)

- भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) भारतीय रिज़र्व बैंक और भारतीय बैंक संघ (IBA) द्वारा भारत में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणाली को संचालित करने के लिए एक पहल है।
- भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) भारत में खुदरा भुगतान के संचालन के लिए एक अम्ब्रेला निकाय के रूप में कार्य करता है।
- एनपीसीआई निम्नलिखित भुगतान प्रणाली को संचालित कर सकता है:
    - राष्ट्रीय वित्तीय स्विच (NFS)
    - तत्काल भुगतान प्रणाली (IMPS)
    - राष्ट्रीय स्वचालित समाशोधन गृह (ACH)
    - आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (AEPS)
    - चेक ट्रंकेशन सिस्टम का संचालन
- एनपीसीआई के उत्पाद
    - RuPay
    - BHIM ऐप
    - UPI
    - भारत बिल भुगतान प्रणाली

Q.38) कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का विलय हाल ही में समाचारों में था। निम्नलिखित में से बैंकों के विलय के क्या लाभ हैं?

1. बैंक की परिचालन लागत को कम करता है।
2. बाजार से संसाधन जुटाने की बेहतर क्षमता होती है।
3. बैंक की सभी गैर-निष्पादित संपत्तियों (एनपीए) को समाप्त करता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.38) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
बैंकों के विलय में साझा ओवरलैपिंग नेटवर्क की उपस्थिति के कारण परिचालन लागत को कम करने की क्षमता होती है। यह बढ़ी हुई परिचालन दक्षता बैंकों की ऋण लागत को कम करेगी।	बड़े बैंकों में राज्य के खजाने पर निर्भर होने के बजाय बाजार से संसाधन जुटाने की बेहतर क्षमता होती है।	बैंकों का विलय विलय वाले बैंक के एनपीए को समाप्त नहीं करता है। हालांकि, यह एनपीए को कम करने में मदद करेगा क्योंकि बड़े बैंक के पास बड़ी पूंजी होगी।

Q.39) डिजिटल लेनदेन के लिए लोकपाल (Ombudsman for Digital Transactions- OSDT) किसके द्वारा स्थापित किया गया है

a) इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
b) वित्त मत्रांलय
c) भारतीय रिजर्व बैंक
d) उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

Q.39) Solution(c)

डिजिटल लेनदेन के लिए लोकपाल योजना

- डिजिटल लेनदेन के लिए लोकपाल भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ग्राहकों की शिकायतों के निवारण के लिए नियुक्त एक वरिष्ठ अधिकारी है।
- यह भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के तहत स्थापित किया गया है।

- ग्राहकों की शिकायतों को दर्ज / हल करने के लिए कोई शुल्क या कोई फीस नहीं है।

Q.40) इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (IL&FS) हाल ही में समाचारों में था। IL&FS के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह एक व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण गैर-जमा (Non-Deposit) कोर निवेश कंपनी (CIC-ND-SI) है।
2. यह पूरी तरह से भारत सरकार के स्वामित्व में है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.40) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
IL&FS एक व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण गैर-जमा कोर निवेश कंपनी (CIC-ND-SI) है। यह एक एनबीएफसी है।	IL&FS का स्वामित्व GOI के पास नहीं है। इसके कई शेयरधारक हैं जैसे LIC, SBI, अबू धाबी निवेश प्राधिकरण आदि।

Copyright © by IASbaba

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of IASbaba.